

उत्तराखण्ड में स्वजल परियोजना: एक मूल्यांकन

संतोष कुमार पंत

शोध-छात्र, इतिहास विभाग

डी. एस. बी. परिसर, नैनीताल

प्रो. गिरधर सिंह नेगी

प्रोफेसर, इतिहास विभाग,

डी. एस. बी. परिसर, नैनीताल

उद्देश्य

1. जलापूर्ति एवं पर्यावरण स्वच्छता सेवाओं में सुधार द्वारा ग्रामीण जनसंख्या को सतत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता लाभ उपलब्ध कराना, जिससे महिलाओं के समय की बचत होगी एवं महिलाओं के लिए आय के अवसर पैदा होंगे तथा साथ ही वर्तमान आपूर्ति आधारित सेवा वितरण तंत्र का विकल्प तैयार करना और स्वच्छता तथा लैंगिकजागरूकता को बढ़ावा देना। उपयुक्त नीतिगत ढांचे तथा रणनीतिक
2. सरकार को नीति एवं योजना संबंधी आवश्यक सहयोग देकर ग्रामीण जलापूर्ति एवं स्वच्छता क्षेत्र को सतत रूप प्रदान करना।

संदर्भ:

1. उत्तरांचल में पेयजल की समान और सतत पहुँच के लिए विभिन्न उपागमों का मूल्यांकन (वर्ष 2003) डवलपमेंटर सेंटर फॉर अल्टरनेटिव पॉलिसीज (योजना आयोग द्वारा प्रायोजित)।
2. उत्तराखण्ड ग्रामीण जलापूर्ति एवं स्वच्छता सैक्टर कार्यक्रम- अरुण डोभाल (स्वजल, उत्तराखण्ड)।